

दुनिया से अलग है न्यारा है

दिल में साईं मंदिर तेरा तू है प्यारा सतगुरु मेरा

दुनिया से अलग है न्यारा है साईं तेरा मेरा नाता
क्या बोलू अपनी जुबान से मैं तू अंतर यामी है दाता

दिल से दिल का रिश्ता क्या है लब्जो में बताना मुश्किल है
अपने एहसास का दुनिया को एहसास करना मुश्किल है
पूछे जो कोई बतलाऊ क्या जग को मैं नहीं समजा पाता,
दुनिया से अलग है न्यारा है साईं तेरा मेरा नाता

संतान नहीं साईं मैं तेरी पर प्यार है तेरा वैसा ही
ममता है तेरी माँ के जैसी
व्यवहार पिता के जैसा ही सुख हो दुःख हो तेरे होते
मन बिलकुल भी नहीं गबराता
दुनिया से अलग है न्यारा है साईं तेरा मेरा नाता

नजदीक सदा रहना साईं दुरी नहीं तेरी सेह सकता
हर इक सितम सेह सकता हु
नहीं तेरी जुदाई सेह सकता
जज्बा ये तेरा नजदीकी का साहिल के दिल को है धड़काता
दुनिया से अलग है न्यारा है साईं तेरा मेरा नाता

<https://bhajanganga.com/bhajan/lyrics/id/18985/title/duniya-se-alag-hai-nyara-hai>

अपने Android मोबाइल पर [BhajanGanga](#) App डाउनलोड करें और भजनों का आनंद ले |